MWC Info CMM Info CMM Infos

Mennonite World Conference | Congreso Mundial Menonita | Conférence Mennonite Mondiale

हमारे अगुवों की ओर से सन्देश

एमडब्ल्यूसी जनरल कॉउन्सिल में युवा ऐनाबैपटिस्ट उपस्थिति

माना तेरासावा और मथियास क्लासन। फोटोः लारिस्सा स्वार्ट्ज

विज्ञप्ति जारी करने की तारीख: बुधवार, 14 नवम्बर 2018

एक बड़े समूह में निर्णय लेना गलत समझे गए सन्देशों का एक खेल प्रतीत हो सकता है, यह बात मथियास क्लासन द्वारा कही गई जो कॉंफरेंज़ डेर मेनोनाइटेनगेमियनडेन इन उरूग्वे से जनरल कॉउन्सिल प्रतिनिधि हैं। एमडब्ल्यूसी की विभिन्न सदस्य कलीसियाओं के अतिरिक्त अलग अलग आयुवर्ग और अनुभवों वाले अगुवों को भी प्रतिनिधित्व में शामिल करना महत्वपूर्ण है।

क्लासन तीस वर्ष से कम आयु के दो प्रतिनिधियों में से एक थे जिन्होंने लिमुरू, केन्या में 21 से 2 अप्रेल 2018 तक जनरल कॉउन्सिल की *इक्यूपिंग एण्ड डिसिशन मेकिंग* (समर्थ बनाने व निर्णय लेने सम्बन्धी) बैठकों में भाग लिया।

जापान से मारा तेरासावा

जापान की संख्या का मात्र 1.6 प्रतिशत ही मसीही है, जिसमें ऐनाबैपटिस्ट लोगों की संख्या तो एक बहुत छोटा सा अंश है। छब्बीस वर्षीय माना तेरासावा इन्हीं विश्वासियों में से एक है। वह जापान की सात ब्रदरन इन ख्राइस्ट मण्डलियों में से एक की सदस्या है।

जापान की मण्डलियों में पले बढ़े लगभग आधे युवा कलीसिया को छोड़ देते हैं। एक वामपंथी संस्कृति में, अल्पसंख्यक होने के कारण जापान के मसीहियों को अपनी भिन्नता के कारण शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है।

तौभी, तेरासावा कलीसिया में बनी रही। एक बार ग्रीष्मकाल के दौरान वह एक मसीही युवा कैंप में शामिल हुई, जहाँ उसे बल मिला कि वह अपने आप को अपने विश्वास की उन्नति के लिए समर्पित कर दे। उसने टोक्यो क्रिश्चयन यूनिवर्सिटी से *यूथ मिनिस्ट्री* विषय पर अध्ययन

किया। अब वह अपनी कलीसिया में सेवाएं दे रहीं हैं और बच्चों के मध्य की जाने वाली सेवकाई की प्रभारी है।

जापान की छोटी सी बीआईसी कलीसिया जनरल कॉउन्सिल सभाओं में प्रतिनिधियों के रूप में भेजने के लिए ऐसे लोगों को ढूंढ़ती है जिनके पास उर्जा, समय, और संसाधन हो। तेरासवा को इस योग्य समझा गया और वे अपने कॉंफ्रेंस का प्रतिनिधित्व कर हर्षित है।

बैठकों के दौरान पूरे समय, कार्यवाहियों को समझने के लिए तेरासावा को जापान के एक अन्य जनरल कॉउन्सिल सदस्य पर निर्भर रहना पड़ा जिसने सारी बातों को उसके लिए जापानी भाषा में अनुवाद किया। एक सेवक के लिए, सहायक बनने की बजाए सहायता का पात्र बनना एक भिन्न अनुभव था।

तेरासावा ने अपने दुभाषिया के माध्यम से कहा, ''मैं लोगों के साथ निर्मित रिश्तों की गहराई से सराहना करती हूँ। मुझे वैश्विक आत्मिक परिवार के साथ गीत गाने में विशेष रूप से आनन्द आया, खासकर तब, जब सब लोगों ने मिलकर एक जापानी गीत गाया।'' इस विचार ने उसे भावविभोर कर दिया कि वहाँ उपस्थित लगभग 200 लोगों में से सिर्फ तीन लोग ही जापान से थे, परन्तु सारी मण्डली ने साथ मिलकर उसके हृदय की भाषा में गीत गाया।

उरूग्वे से मथियास क्लासन

कोनफरेंज़ डेर मेनोनाइटेनगेमियनडेन इन उरूग्वे (केएमजीयू) के सदस्य उरूग्वे के मसीहियों की कुल संख्या का 60 प्रतिशत हैं और अधिकांश सदस्य जर्मन पृष्ठभूमि की मेनोनाइट मण्डलियों से आएं हैं। इन में से अनेक मेनोनाइट समुदाय ऐसे लोगों के द्वारा स्थापित किए गए जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी छोड़ दिया था। वे अपने परिवार और समुदाय के द्वारा संचालित व्यवसायों के जुड़े हुए हैं।

उरूग्वे के मेनोनाइट लोगों की मनोदशा में इन वर्षों के दौरान परिवर्तन आया है, वे अब मात्र जीविकोपार्जन तक सीमित नहीं हैं परन्तु सुसमाचार प्रचार की सेवकाई भी करते हैं क्योंकि अब वे पहले से अधिक स्थापित हो चुके हैं। कलीसिया के एक तिहाई लोगों की आयु 12–30 वर्ष के बीच की है। युवा भी कलीसिया की सेवकाई में काफी सक्रिय हैं।

केएमजीयू प्रत्येक तीन वर्ष के लिए एमडब्ल्यूसी जनरल कॉउन्सिल प्रतिनिधि का चुनाव करती है और प्रत्येक कलीसिया को अवसर मिलता है कि कॉंफ्रेंस की ओर से भेजने के लिए किसी एक व्यक्ति का नाम कलीसिया की ओर से प्रस्तावित करें।

इस वर्ष पच्चीस वर्षीय क्लासन को चुना गया: वे तीन भाषाएं धाराप्रवाह में बोलते हैं (जर्मन, अंग्रेजी, और स्पेनिश), साथ ही वे फ्रेंच भाषा भी बोल लेते हैं, उन्हें वैश्विक सेवकाई का भी अनुभव है (2017 में छह महीने बुरकिना फासो में)।

कम्प्यूटर इंजीनियरिंग में डिग्रीधारी क्लासन का कहना है, ''कई बार मैं सोचता हूँ कि (इन सभाओं में) एक पासवान या अगुवे को होना चाहिए।'' किन्तु, उनके अनुसार, भावी पीढ़ी को सामने लाना फायदेमंद है। वे कहते हैं, कि युवा पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के मध्य विचारों की खाई को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था, परन्तु उन्हें अवसर मिला कि साथ मिलकर परमेश्वर के पीछे चलने के विषय में सुनें और सीखें।

यंग ऐनाबैपटिस्ट और वैश्विक कलीसिया

तेरासावा कहती हैं: ''मेरी आयु के ऐनाबैपटिस्ट युवाओं (याब्स) को कलीसिया में कार्य करते और स्वेच्छा से सहायता करते हुए देख कर मुझे खुशी हुई और बल मिला।''

आपके कॉंफ्रेंस में युवाओं के लिए किस प्रकार से अवसर तैयार किए जाते हैं कि वे अगुवाई के लिए आगे आएं और सीख कर अपना योगदान दें?

– लारिस्सा स्वार्ट्ज, यंग ऐनाबैपटिस्ट्स (याब्स) कमेटी की अध्यक्षा और उत्तर अमरीका की प्रतिनिधि।